हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 180 देहरादून, बृहस्पतिवार, 05 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

नियुक्तियों में बर्खास्त कर्मचारियों कोई कसूर नहीं : हरीश रावत

3

12 जनवरी को उत्तराखंड मनाएगा राज्य एवं जनपद स्तर पर 'युवा दिवस' : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2023 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर 12 जनवरी को भारत सरकार की भांति राज्य एवं जनपद स्तर पर भी युवा दिवस मनाया जायेगा। युवक एवं महिला मंगल दलों को जिला योजना से दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि 4 हजार रूपये से बढ़ाकर 5 हजार रूपये की जायेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर 2021-22 के उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर युवक मंगल दलों एवं महिला मंगल दलों को राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया। जिन तीन युवक मंगल दलों को पुरस्कृत किया गया उनमें युवक मंगल दल मनकटिया, विकासखण्ड मूनाकोट, पिथौरागढ़ को प्रथम, युवक मंगल दल धुरा, नन्दानगर, विकासखण्ड घाट, चमोली को द्वितीय एवं युवक मंगल दल खेड़ाजट, विकासखण्ड नारसन, हरिद्वार को तृतीय पुरस्कार मिला। जिन महिला मंगल दलों को पुरस्कृत किया गया उनमें महिला मंगल दल, नन्दानगर, विकासखण्ड घाट, चमोली को प्रथम, महिला मंगल दल किसमिला, विकासखण्ड कपकोट, बागेश्वर को द्वितीय एवं महिला मंगल दल बड़ोवाला, विकासखण्ड डोईवाला तथा महिला मंगल दल हसनपुर विकासखण्ड भगवानपुर को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले युवक एवं महिला मंगल दलों को क्रमशः 01 लाख, 50 हजार एवं 25 हजार रूपये की धनराशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवा महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि ऐसे महोत्सव हमारी संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि इस युवा महोत्सव से चयनित होकर जो प्रतिभागी 12 जनवरी को धारवाड़, कर्नाटक में राष्ट्रीय स्तर के युवा महोत्सव में राज्य की समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपनी कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे, वे राज्य के ब्राण्ड एम्बेस्डर के रूप में हमारी सांस्कृतिक विरासत का परिचय करायेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की पहचान उसकी संस्कृति, भाषा, बोली एवं परिवेश से होती है। इनको बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने के लिये ब्लॉक स्तर से भी युवा प्रतिभाओं को अवसर मिले हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को विशेष लाभ हुआ है। यह एक सराहनीय प्रयास है। इससे हमारे प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर गया है। भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आने वाले 25 साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम सभी को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन पूरे सामर्थ्य के साथ करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ी है। भारत दुनिया की पांचवी सबसे बढ़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज वैश्विक स्तर पर भारत से भेजे गये प्रस्तावों पर फैसला होता है। इसका ही परिणाम है कि इस वर्ष भारत को जी 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता मिली है। भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है। राज्य में भी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है। रोजगार के साथ ही स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में लोक गीत, लोक नृत्य एवं हमारी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसमें से बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कर्नाटक में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव की प्रेरणा स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन दर्शन से मिलती है। वे सभी युवाओं के आदर्श थे। युवाओं को उनकी जीवन शैली से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने जीवन के जो मंत्र दिये वो आज भी प्रासांगिक है। हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने की युवाओं पर विशेष जिम्मेदारी होगी। इस अवसर पर विधायक खजान दास, बृज भूषण गैरोला, निदेशक प्रान्तीय रक्षक दल जितेन्द्र सोनकर एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

ऋषभ पंत का मुंबई में होगा ऑपरेशन देहरादून से एयरलिफ्ट किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 जनवरी , बीसीसीआई ने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की हालत को लेकर आधिकारिक अपडेट जारी किया है. 30 दिसंबर को ऋषभ पंत का दिल्ली-देहरादून हाइवे पर कार एक्सीडेंट हुआ था. इसके बाद से देहरादून के मैक्स अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. पंत के सिर, कमर और लिगामेंट में चोटें आई थी. पंत के लिगामेंट में गंभीर चोट आई है और अब उनका आगे का इलाज देहरादून नहीं बल्कि मुंबई में होगा. बीसीसीआई ने प्रेज रिलीज जारी करके इसके बारे में जानकारी दी.

मैक्स में दिनभर रही गहमागहमी

बीसीसीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि पंत को देहरादून से मुंबई शिफ्ट कराया जाएगा. उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा. खबरों की मानें तो पंत को मैक्स अस्पताल से डिसचार्ज कर दिया गया है. सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें पंत के परिवार वाले उन्हें अस्पताल से एंबुलेंस में बाहर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं.

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने बताया है कि पंत को एयरलिफ्ट करके मुंबई लाया गया है . मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में डॉक्टर डिनशॉ परादीवाला उनका इलाज करेंगे. डॉक्टर डिनशॉ कोकिलाबेन अस्पताल के सेंटर फॉर स्पोर्ट्स मेडिसिन के अध्यक्ष हैं. ऋषभ पंत के लिगामेंट की सर्जरी होगी जिसके बाद वो बीसीसीआई की मेडिकल टीम देखरेख में रहेंगे. बीसीसीआई ने साथ ही साफ किया कि बोर्ड ऋषभ के इलाज और रिकवरी की पूरी जिम्मेदारी और खर्चा उठा रहा है. वो हर तरीके से पंत का साथ देने के लिए प्रतिबद्ध है.

डीएम सोनिका ने जी 20 कार्यक्रम पर हाई लेवल बैठक में दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 5 जनवरी , इस वर्ष जी-20 देशों के कार्यक्रम की मेजबानी भारतवर्ष कर रहा है, जिसके सम्पूर्ण देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उत्तराखण्ड में जी-20 के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी सोनिका ने कैम्प कार्यालय में रेखीय विभागों के जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करते हुए तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों एमडीडीए, विद्युत, पेयजल,जल संस्थान नगर निगम ऋषिकेश एवं देहरादून, वन विभाग, पुलिस, परिवहन, लो.नि.वि, राजस्व, कृषि,उद्यान,सूचना, पर्यटन, राजस्व आदि विभागों के अधिकारियों को उनके कार्य एवं दायित्वों को समझाते हुए अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित व्यवस्थाओं को जिम्मेदारी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नितिशमणी त्रिपाटी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक यातायात अक्षय कोण्डे, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती, उप जिलाधिकारी डोईवाला युक्ता मिश्रा, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी जसपाल चैहान, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत सहित विद्युत, लो.नि.वि सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

क्या आप जानते है भारतीय इतिहास का सबसे मूर्ख शासक कौन था ?

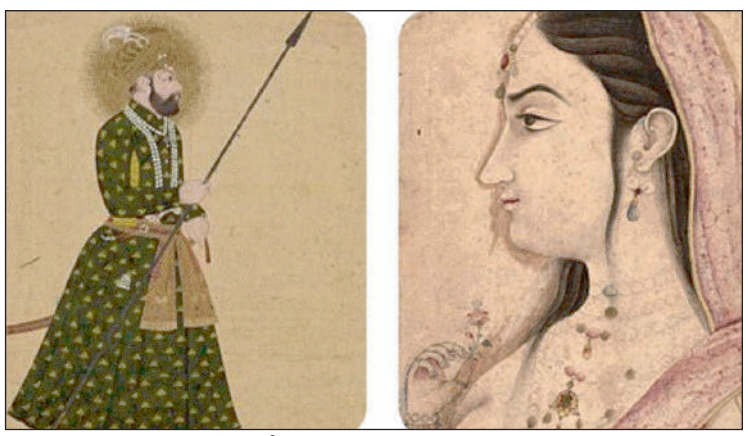

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 जनवरी , साल 1712 में बहादुर शाह (प्रथम) के निधन के बाद मुगल सल्तनत के लिए उनके बेटों के बीच लड़ाई शुरू हो गई। आखिरकार जहांदार शाह को सफलता मिली और मुगल सल्तनत की गद्दी पर बैठा। जहांदार शाह अपनी अय्याशियों और रंगीन-मिज़ाजी के लिए बदनाम था। मुगल साम्राज्य की गद्दी संभालते ही एक तरीके से उसने पूरी सत्ता लाल कुंवर को सौंप दी, जो उसकी कनीज (रखैल) थी।

कनीज के वश में हो गया जहांदार शाह

लाल कुंवर, मुगल दरबार के गायक खासुरैत खान की की बेटी थी, जो मियां तानसेन के घराने का था। लाल कुंवर, जहांदार शाह से उम्र में लगभग दोगुनी। वह अपनी खूबसूरती और नृत्य के लिए मशहूर थी। दिल्ली और मुगल इतिहास के जानकार रहे आर.वी. स्मिथ 'द हिंदू' पर एक लेख में लिखते हैं कि लाल कुंवर ने पूरी तरीके से जहांदार शाह को अपने वश में कर लिया था।

अय्याशियों के चलते सत्ता हाथ से जाती रही

जहांदार शाह ने सत्ता संभालते ही लाल कुंवर को अपनी रानी का दर्जा दे दिया और 'इम्तियाज मुगल' का तमगा प्रदान कर दिया। उसका ज्यादातर समय लाल कुंवर की शोहबत में बीतने लगा। लाल कुंवर ने इसका फायदा उठाया और सबसे पहले अपने परिवार के सदस्यों को मंसब के तौर पर नियुक्ति दिलवाई और उन्हें मुगल साम्राज्य से जागीरें दिलवा दीं। इसके बाद एक-एककर तमाम ताकतवर पदों पर अपने रिश्तेदारों को नियुक्त करवा दिया।

अपने ही बेटों की आंखें फोड़ दी थी

लाल कुंवर के वश में आकर जहांदार शाह एक से बढ़कर एक क्रूरता और मूर्खतापूर्ण हरकतें करने लगा। इतिहासकारों के मुताबिक लाल कुंवर को जहांदार शाह के सगे बेटे फूटी आंख भी नहीं सुहाते थे। उसने जहांदार शाह से कहा कि वह अपने दोनों बेटों की आंखें फोड़ दे और उन्हें कैद खाने में डाल दें। जहांदार शाह ने किया भी ऐसा ही। उसकी क्रूरता का एक और किस्सा मशहूर है। एक बार सिर्फ मजे के लिए उसने लोगों से भरी नाव डुबवा दी और लोगों की चीख-पुकार देख हंसता रहा।

नंगे लगाता था दरबार

जहांदार शाह कभी पूरी तरह नंगे होकर दरबार में जाने लगा तो कभी महिलाओं के कपड़े पहनकर दरबार लगाने लगा। जहांदार शाह की इन्हीं हरकतों की वजह से उसका नाम 'लंपट' पड़ गया और उसे मुगल इतिहास का सबसे मूर्ख बादशाह कहा जाने लगा। जहांदार महज 9 महीने ही मुगल साम्राज्य की गद्दी पर रह पाया और उसके भतीजे फर्रूखसियर ने उसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 6 जनवरी 1713 को हार के बाद वह, लाल कुंवर के साथ भागकर दिल्ली में शरण ली। यहां उसे कैद कर लिया गया और बाद में कैदखाने में ही बेरहमी से कत्ल कर दिया गया था।

सेहत की बात : डायबिटीज के मरीजों के लिए रामबाण है ये पत्तियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 जनवरी , खान-पान में गड़बड़ी और शारीरिक व्यायाम की कमी के कारण इन दिनों देश में मधुमेह तेजी से फैल रहा है। आज लगभग हर चौथा व्यक्ति इस रोग से पीड़ित है। यह रोग धीरे-धीरे शरीर को भीतर से नष्ट कर देता है। इसलिए इस रोग को स्लो डेथ भी कहा जाता है।अमरूद ज्यादातर लोगों को पसंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमरूद के कई औषधीय और बेहतरीन स्वास्थ्य लाभ हैं ?अमरूद का फल सेहतमंद होता है लेकिन इसके पत्ते भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अमरूद की पत्तियों का उपयोग कई बीमारियों में एक पारंपरिक औषधि के रूप में भी किया जाता है। अमरूद की पत्तियों का अर्क पीने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के अलावा एलर्जी की समस्या को भी दूर करता है। इसके अलावा अमरूद के पत्तों को उबालकर पीने से शरीर को कई तरह के फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में-

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त ब्रेथ वेल बीइंग के अनुसार अमरूद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसका तात्पर्य यह है कि इसका पाचन और अब्सॉर्प्शन धीरे-धीरे होता है और इस प्रकार यह धीरे-धीरे ग्लूकोज के स्तर में वृद्धि को प्रभावित करेगा। अमरूद में कम कैलोरी होती है। इसलिए, यह वजन घटाने में सहायता करता है। बहुत अधिक वजन मधुमेह का कारक है। यूएसडीए के अनुसार, लगभग 100 ग्राम अमरूद में 9 ग्राम नेचुरल शुगर और केवल 68 कैलोरी होती है। अमरूद में कम सोडियम और हाई पोटेशियम होता है और यह मधुमेह के लिए जरूरी डाइट की आवश्यकताओं में से एक को पूरा करता है। अमरूद में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। यह सामान्य ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने के लिए बहुत अच्छा है। इसके अलावा, अमरूद में संतरे में मौजूद विटामिन सी की मात्रा चार गुना अधिक होती है। विटामिन सी शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, यह शरीर को मधुमेह जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।

पोषक तत्वों से भरपूर

हेल्थ लाइन के अनुसार मधुमेह के रोगियों को अमरूद के उत्पादों का सेवन करना चाहिए, जिनमें चीनी की मात्रा बहुत कम होती है। ऐसे में अमरूद का सेवन आपके बहुत काम आ सकता है। दरअसल अमरूद विटामिन-A, विटामिन-B, विटामिन-C और फास्फोरस से भरपूर होता है। जो इंसुलिन के उत्पादन में मदद कर मधुमेह को बढ़ने से रोकते हैं। यह मीठा फल डायबिटीज के मरीजों के लिए रामबाण साबित हो सकता है। इस फल को खाने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

कब पियें अमरूद की पत्तियों का चाय ?

आयुर्वेद के मुताबिक है अमरूद की पत्तियों के कई औषधीय उपयोग हैं। अमरूद के पत्तों को सुबह खाली पेट पानी में उबालकर इसका सेवन करने से सेहत को बहुत लाभ होता है। अमरूद के पत्तों में कई विटामिन, खनिज, सूक्ष्म पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ब्रेथ वेल बीइंग के अनुसार अमरूद के पत्तों को उबलते पानी में उबालने से अमरूद का रस निकलता है। इन अर्क में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड्स होते हैं। अमरूद की पत्ती का अर्क इंसुलिन रेजिस्टेंस में सुधार करता है, ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करता है, और कोलेस्ट्रॉल के स्तर में सुधार करता है।

ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायक

NCBI में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक अमरूद के पत्ते का पानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में कारगर है। ये पत्ते उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारी होती है। इस खतरे को कम करने के लिए इसकी पत्तियों का रस यानी अर्क भी काफी उपयोगी होता है।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

एबीवीपी के सम्मेलन में मुख्यमंत्री को याद आये पुराने दिन, सुनाए अनुभव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यूएसनगर , 5 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रपुर, उधम सिंह नगर स्थित जनता इंटर कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, उत्तरांचल प्रान्त के 23 वें प्रान्त अधिवेशन में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एबीवीपी प्रांतीय अधिवेशन में आए सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि अधिवेशन में उत्तराखंड के कोने-कोने से पधारी युवा तरूणाई के मध्य उपस्थित होकर स्वयं को गौरवान्वित एवं ऊर्जावान महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के स्मरण को याद करते हुए कहा कि परिषद में काम करने के दिनों, मैं भी आपकी ही तरह विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में विद्यार्थियों के बीच काम करता था।

एबीवीपी एक ऐसा संगठन है, जो व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण₹ का कार्य करता है। शिक्षा के मंदिरों से लेकर देश की सीमाओं तक परिषद का कार्यकर्ता अपना कार्य कर रहा है। एबीवीपी ऐसा संगठन है, जो समाज के संकटों और राष्ट्र की चुनौतियों को अपना मानता है और उनका डटकर मुकाबला करता है। विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन प्रदान करने में परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। परिषद अपने स्थापना काल से ही देशहित में होने वाले बदलावों की पक्षधर रही है, इसका उदाहरण परिषद द्वारा राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर समय समय पर किए गए संघर्ष हैं। स्कूलों में, कालेजों में और विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के भीतर राष्ट्रवाद की अलख जगाकर, हर विद्यार्थी के होठों पर भारत माता की जय का नारा देने का काम परिषद के आप जैसे कार्यकर्ता करते आए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां एक ओर युवा भारत हर क्षेत्र में संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पूरा विश्व भी भारत की युवा शक्ति के सामर्थ्य से लाभान्वित होने के लिए आतुर है। ऐसे समय में युवाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रधानमंत्री जी के ₹एक भारत-श्रेष्ठ भारत₹ के निर्माण के लिए सभी युवा आगे बड़े और देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा आप सभी को यह भी विश्वास दिलाता हूँ कि आपके द्वारा राज्य की सेवा हेतु मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे निभाने के लिए मैं दिन-रात पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रहा हूं और आपके सहयोग से इसी प्रकार अपने कर्तव्यों का पालन करने का प्रयास करता रहूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को लगातार रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

राज्य सरकार भी विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पदों पर भर्ती करवा युवाओं को रोजगार देने का कार्य कर रही है वही परीक्षाओं में गड़बड़ी पाए जाने पर 7000 भर्तियों को यूकेपीएससी के माध्यम से कराया जा रहा है। उन्होंने कहा किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी उसकी शिक्षा होती है। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आगे आने वाली परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता से होंगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने जिस ₹विकल्प रहित संकल्प₹ को लेकर आगे बढ़ रही है, उस संकल्प को पूर्ण करने की जिम्मेदारी हम सभी की है।

उन्होंने कहा सामाजिक कार्य के साथ हम सभी ने अपने पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। समय बहुमूल्य है, विद्यार्थी जीवन का समय फिर हमारी जिंदगी में लौट कर नहीं आ सकता है। आज की गई मेहनत हमें भविष्य में कई बड़े मुकाम पर पहुंचाएगी। हर पल का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन को कैसे देश और समाज के प्रति समर्पित करते हैं, इसका जीता–जागता उदाहरण हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं 1 जो अपनी माता के दिवंगत होने पर सारे संस्कार पूरे करने के पश्चात राष्ट्रीय कार्यों में लग गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र की सेवा का धर्म एवं पुत्र धर्म बखूबी निभाया है।

इस अवसर पर विधायक शिव अरोड़ा, मेयर रामपाल सिंह, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष डा. ममता सिंह, प्रदेश मंत्री रितांशु कंडारी, हरीश मुंजाल, बीजेपी जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, विधायक सुरेश गढ़िया, कमल जिंदल, प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, अनिल डब्बू, अमित पांडे, नंदन सिंह खड़ायत, भारत भूषण चुघ, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

नियुक्तियों में बर्खास्त कर्मचारियों कोई कसूर नहीं : हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 5 जनवरी , उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त कार्मिकों के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के 17वें दिन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने धरना स्थल पर पहुंचकर कार्मिकों का समर्थन किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा भर्ती प्रकरण में बर्खास्त कार्मिकों की कोई गलती नहीं है बल्कि राज्य गठन के बाद से जी भी विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं सरकार रही है, गलती उनकी है। उन्होंने कहा कि उन सब की सजा गरीब पहाड़ी युवाओं को नहीं मिलनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने विधानसभा के बाहर धरना स्थल पर पहुंच कर बर्खास्त कार्मिकों का समर्थन किया। हरदा ने कहा कि उनके कार्यकाल में हुई नियुक्तियां कैबिनेट, वित्त विभाग व कार्मिक विभाग की सहमति के उपरांत ही की गई है। इन नियुक्तियों में बर्खास्त कर्मचारियों कोई कसूर नहीं है सरकार रोजगार के जो भी रास्ते बनायेगी बेरोजगार उसी रास्ते पर तो चलेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यूकेएसएससी के मामले को दबाने के लिए जबरन विधानसभा कर्मचारियों को शिकार बनाया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा भर्ती प्रकरण में गलती एक सरकार की नहीं है, अगर यदि गलत हुआ है तो शुरू से ही, अगर इन गलतियों को सुधारना है तो सर्वदलीय बैठक बुलाकर विधानसभा अध्यक्ष को इस पर विचार करना चाहिए यह विधानसभा की गरिमा का सवाल है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि रोजगार दे नहीं सकते तो रोजगार छिनने का भी किसी को अधिकार नहीं है, लोकहित में नियुक्तियां की जाती है किसी की नौकरी नहीं छीनी जाती। पूर्व मुख्यमंत्री ने पुरजोर विरोध किया है कि विधानसभा से कार्मिकों को बर्खास्त किया जाना सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस गंभीर विषय पर आगे आकर विचार करना चाहिए जिसपर विपक्ष भी सरकार के साथ आगे आने के लिए तैयार है।

इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी, पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्र बिष्ट, कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसोनी, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल सिंह, पूर्व राज्य मंत्री मनीष नागपाल, देवेंद्र नौटियाल, राज्य आंदोलनकारी अमरदेव गोदियाल, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जीत सिंह धानक, जगदीश सिंह धोनी, प्रताप राम, तिलोक नगरकोटी, राजेश अधिकारी, प्रदीप सिंह, गिरीश सिंह, ललित धानक, बालम बगड़वाल, नंदकिशोर, पंकज धोनी, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र रौतेला, तुषांत बिष्ट, राहुल पांडे, हेमलता जोशी, स्वाति, सुमित्रा रावत, रश्मि सेमवाल सहित अन्य कार्मिकों मौजूद रहे।

अच्छी खबर : हर घर नल से जल पहुँचाने में उत्तराखंड टॉप पर, देखिये आंकड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 जनवरी , पानी का हमारे जीवन में बहुत महत्व है उत्तराखंड पहाड़ी राज्य है पहाड़ो पर अक्सर पानी की समस्या देखने को मिलती है लेकिन ऐसे में उत्तराखंड पानी की समस्या को दूर करने में पॉट पर है उत्तराखंड का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर लगातार तीसरे महीने सुधरा है। इस बार उत्तराखंड जहां 50 से 75 प्रतिशत श्रेणी में आठवीं रैंक पर है तो उत्तर प्रदेश 25 से 50 प्रतिशत श्रेणी में तीसरे स्थान पर है। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के मामले में उत्तराखंड की रैंकिंग, यूपी और झारखंड से भी ऊपर है। जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन सर्वेक्षण के दिसंबर के आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें अब प्रदेश का एक भी जिला 50 प्रतिशत से नीचे नहीं रहा है।

जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन मिशन के कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए जल सर्वेक्षण की शुरुआत की थी। झारखंड इस श्रेणी में पांचवें स्थान पर है। हालांकि शीर्ष पर हरियाणा का कब्ज़ा है। वहीं, जिलों के हिसाब से देखें तो अब प्रदेश के सभी जिले 50 प्रतिशत से ऊपर की श्रेणियों में आ चुके हैं। सात जिले ऐसे हैं जो कि 50 से 75 प्रतिशत की श्रेणी में हैं जबकि छह जिले 75 से 100 प्रतिशत की श्रेणी में हैं। पेयजल निगम के एमडी उदयराज सिंह का कहना है कि निश्चित तौर पर

उत्तराखंड की रैंकिंग में बड़ा सुधार अच्छा संकेत है। मिशन के कार्यों में तेजी से प्रगति हो रही है।

यह है आंकड़े –

75-100 प्रतिशत कवरेज श्रेणी में देश के शीर्ष 116 में यह जिले

जिला	अक्तूबर की रैंक	नवंबर की रैंक	दिसंबर की रैंक
पिथौरागढ़	63	60	62
देहरादून	70	47	48
उत्तरकाशी	73	58	71
चमोली	79	70	82
बागेश्वर	87	59	70
रुद्रप्रयाग	86	00	58
ऊधमसिंहनगर	00	00	81

(नोट- पिछले दो माह से ऊधमसिंहनगर 25-50 प्रतिशत की श्रेणी में 41वीं रैंक पर शामिल था।)

50 से 75 प्रतिशत कवरेज श्रेणी में देश के शीर्ष 172 में यह जिले

जिला	अक्तूबर की रैंक	नवंबर की रैंक	दिसंबर की रैंक
पौड़ी गढ़वाल	35	27	29
टिहरी गढ़वाल	38	30	28
चंपावत	90	45	73
नैनीताल	97	72	113
अल्मोड़ा	139	128	96
हरिद्वार	00	31	20

ऐसे होती है रैंकिंग –

जल सर्वेक्षण में चार रैंक में नंबर दिए गए हैं। पहली फ्रंट रनर श्रेणी है, जिसमें वे जिले शामिल हैं, जिनमें जल जीवन मिशन के लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिशत काम हुए हैं। दूसरी हाई अचीवर श्रेणी में वे जिले शामिल हैं, जिनमें 75-100 प्रतिशत काम हुए हैं। तीसरी अचीवर्स श्रेणी में वे जिले शामिल हैं, जिनमें 50-75 प्रतिशत काम हुए हैं। चौथी परफॉमर्स श्रेणी में वे जिले शामिल हैं, जिनमें अक्तूबर के लक्ष्य के सापेक्ष 25-50 प्रतिशत काम हुए हैं। पांचवीं एस्पाइरेंट्स श्रेणी में वे जिले शामिल हैं, जिनमें केवलत 0-25 प्रतिशत काम हुए हैं।

महिलाओं को आर्थिक तौर पर मज़बूत करना सरकार का संकल्प : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 जनवरी , कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुनियाल गांव में विधायक निधि से स्वीकृत मसूरी विधानसभा क्षेत्र के भगवंतपुर, भितरली, क्यारकुली, चंद्रोटी, गंगोल पंडितवाडी, गल्जवाड़ी, पुरकुल गांव, सिगली, गाजियावाला, बिष्ट गांव, बिलासपुर कांडली, हरियावाला खुर्द, पुरोहित वाला सहित 15 ग्राम पंचायतों के महिला मंगलदल की महिलाओं को सामाजिक उपयोग हेतु साज सज्जा की सामग्री वितरित किया।

मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा आज महिलाओं ने समूहों के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा दी है। महिलाएं अचार, पापड़, अगरबती, ऊनी वस्त्र, ब्यूटी पार्लर, सिलाई, डेयरी आदि जैसे अनेक आजीविका उपार्जक कार्य कर रही हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान और उनकी आर्थिकी को मजबूत करने के लिए कई जन कल्याणकारी योजना संचालित की जा रही है।

उन्होंने कहा हमारा संकल्प है कि जब राज्य 25 वर्ष का हो तो हम महिला समूहों में कार्य कर रही महिलाओं की आजीविका को दोगुना करेंगे। मंत्री जोशी ने कहा राज्य जब 25 वर्ष का होगा, तब राज्य की करीब 3 लाख 67 हजार स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं में से सवा लाख महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत लखपति बनाया जाएगा। जिसके माध्यम से उनकी

सालाना आय एक लाख से ऊपर पहुंचाई जाएगी। जिससे महिलाओं की आय में सुधार आएगा और इस योजना के माध्यम से महिलाएं शशक्त और मजबूत होंगी। मंत्री जोशी ने कहा जल्द ही गुनियाल गांव में उद्यान बिभाग के माध्यम से बोटैनिकल गार्डन बनाया जाएगा। इसके अलावा मंत्री जोशी ने कहा कि शीघ्र ही गुनियाल गांव में बिजली घर का निर्माण किया जा रहा है और निश्चित ही इस बिजली घर बनने से क्षेत्र में बिजली की समस्या से निजात मिलेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर, वंदना बिष्ट, लक्ष्मण सिंह रावत, हरेंद्र रावत, सुरेंद्र डंगवाल, किशन सिंह पुंडीर, योगेश बिष्ट, युद्धवीर नेगी, अनुराग नेगी, ग्राम प्रधान सीता देवी, लीला शर्मा, सोहन सिंह, अन्नू पुंडीर, किरन, रचना थापा, प्रेम सिंह पंवार, महेंद्र पुंडीर, राधे जुयाल , सीमा जुयाल सहित महिला मंगल दल अध्यक्ष शिवानी, पूनम, रीना रावत, दीक्षा, अंजली खत्री, बिमला क्षेत्री, पिंकी, प्रिया थापली, सीमा, अनु गुरुंग, रजनी पंवार, रीना, मीना थापा, ममता थापा, तनुजा घले सहित कई लोग उपस्थित रहे।

प्रत्येक दल को दिया गया ये उपयोगी सामान –

भोजन थाली-100 पीस, गिलास 100 पीस, चम्मच 100 पीस, जग 05 पीस, बाल्टी 02 पीस, कुर्सी 60 पीस, ढोलक 01 पीस, चिमटा 01 पीस, ढफली 01 पीस, बैग 01 पीस सम्मिलित हैं।

कम पैसे में करना चाहते हैं मोटी कमाई वाले कोर्स तो तुरंत पढ़ें खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 जनवरी , हमारी ये खबर युवाओं के लिए बेहद जरूरी जानकारी देने के लिए है। इंटरमीडिएट यानी 12वीं बोर्ड एग्जाम में अगर किसी वजह से आपके नंबर कम आए या फिर आप कोई महंगे कोर्स नहीं करना चाहते तो हम आपको कुछ ऐसे सस्ते कोर्स बताएंगे, जिन्हें पूरा करने के बाद आप मोटी कमाई कर सकते हैं। दिलचस्प ये है कि आपको इन कोर्स को करने के लिए ज्यादा फीस भी नहीं देनी होगी। इन्हें पूरा करने के बाद आप अपना स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। तो आइए तस्वीरों के जरिए जानते हैं ऐसे कोर्स के बारे में जो आपको स्टार्टअप शुरू करने या फिर नौकरी दिलाने में मददगार साबित होंगे।

इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स --- इस कोर्स के जरिए आप अपनी क्रिएटिविटी, पेंटिंग, डिजाइनिंग आदि काम अच्छा लगता है, तो आप इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। डिप्लोमा शार्ट टर्म कोर्स है और इसे पूरा करने के बाद आप अच्छी कमाई कर सकते है। चाहें तो आप स्टार्टअप के तौर पर अपनी फर्म भी खोल सकते हैं।

एनिमेशन मल्टीमीडिया कोर्स --- ये कोर्स महंगा होता है, मगर आप किसी प्रोफेशनल इंस्टीट्यूअ से अगर डिप्लोमा कोर्स कर लें, तो करियर के लिए यह अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इस कोर्स को पूरा करने के बाद एनिमेशन से रिलेटेड बहुत से फील्ड ऑप्शन मिलेंगे। हां, आपको यह फील्ड तभी रास आएगी, जब आप क्रिएटिविटी और इमेजिनेशन में दिलचस्पी लेते होंगे।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोर्स --- इसे करने के लिए आपको विज्ञान क्षेत्र में रूचि होनी चाहिए। कंप्यूटर

प्रोग्रामिंग, वेबसाइट डेवलपमेंट और सॉफ्टवेयर क्रिएशन तथा ऐप डेवलपमेंट के लिए यह कोर्स करना ठीक हो सकता है। शार्ट टर्म कोर्स कम पैसे में किया जा सकता है और जॉब लगने के बाद आप मोटी कमाई कर सकते हैं।

योग इंस्ट्रक्टर कोर्स --- इसके जरिए आप लोगों को योग सिखा सकते हैं और खुद भी स्वस्थ्य रह सकते हैं। योग के प्रति वैसे भी लोगों में जागरूकता बढ़ी है। हालांकि, इस कोर्स के लिए आपको अभ्यास की जरूरत होगी। 12वीं कक्षा बाद एक छोटा सा कोर्स कर आप इस फील्ड में धीरे-धीरे मगर मजबूत करियर बना सकते हैं।

जिम इंस्ट्रक्टर कोर्स ---- इसे करने के बाद आप दूसरों को भी फिट रख पाएंगे और खुद को भी। वैसे भी स्वास्थ्य को लेकर आजकल लोग कुछ ज्यादा ही जागरूक हैं। जिम इंस्ट्रक्टर बनने के बाद आप बड़ी शख्सियतों के लिए ट्रेनर भी बन सकते हैं और या फिर अपना जिम खोल सकते हैं।

पुष्कर धामी का धाकड़ संदेश, वक्फ बोर्ड की जमीनों पर भूमाफियों के अवैध कब्जों पर टूटेगा पुलिस का कहर

वक्फ बोर्ड सीईओ की जिम्मेदारी दी आईजी पुलिस मुख्तार मोहसिन को

■ आईएएस डॉ अहमद इकबाल बतौर जीएसटी कमिश्नर तोड़ेंगे जीएसटी चोरों की क़मर,अभी तक थे सीईओ वक्फ बोर्ड

■ वक्फ बोर्ड चेयरमैन शादाब शम्स जुटे है मुख्यमंत्री धामी के विज़न के अनुरूप वक्फ बोर्ड के सफ़ाई अभियान पर

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,4 जनवरी। नए साल के आगाज़ के साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का दबंग रथ अपने सफाई अभियान पर आगे बढ़ता नज़र आ रहा है,मुख्यमंत्री धामी वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जों को लेकर काफ़ी सख़्त नज़र आ रहे है,मुख्यमंत्री का विज़न साफ है ₹ना खाऊंगा,ना खाने दूंगा₹ और जो कोई भी भ्रष्ट्राचार करेगा उसकी क़मर तोड़ दूंगा।

मुख्यमंत्री धामी ने अपनी दबंग छवि के अनुरूप उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के सीईओ की कुर्सी पर एक ऐसे आईपीएस अधिकारी मुख्तार मोहसिन को तैनात किया जो अपनी सख्त कार्यशैली के लिए जाना जाता है,वर्तमान में मुख्तार मोहसिन इंस्पेक्टर जनरल ऑफ उत्तराखंड पुलिस है और डायरेक्टर ट्रैफिक की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे है।

मुख्तार मोहसिन को ये जिम्मेदारी देने के पीछे मुख्यमंत्री धामी को सोच साफ़ दिखाई दे रही है कि वो चाहते की वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर जो अवैध कब्जे वर्षो से बने हुए है उन्हे हटाना बहुत ज़रूरी है,पूरे प्रदेश में जहां जहा भूमाफियाओं के हौसले बुलंद है उन्हे तोड़ना हर किसी के बस में नहीं,इसीलिए मुख्यमंत्री धामी ने वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स से कई दौर की चर्चा के बाद निर्णय लिया कि सीईओ के पद पर सख्त छवि के किसी सीनियर आईपीएस को लाया जाए, काफ़ी मशक्कत के बाद मुख्तार मोहसिन को सरकार ने ये जिम्मेदारी सौंपी।

ये माना जा रहा है कि अभी तक इस पद पर नियुक्त रहे जीएसटी कमिश्नर डॉ अहमद इक़बाल अपनी विभागीय व्यस्ताओं के चलते वक्फ बोर्ड सीईओ के पद की जिम्मेदारी किसी अन्य अधिकारी को दिए जाने के पक्ष में थे ताकि वो अपना पूरा फोकस जीएसटी चोरों की क़मर तोड़ने पर कर सके, डा अहमद इकबाल एक ऐसे सुलझे हुए और काबिल आईएएस अधिकारी माने जाते है जिन्होंने उत्तराखंड सरकार के ख़ज़ाने में जीएसटी के रूप में रिकॉर्ड आमदनी करने के साथ साथ भ्रष्ट्राचार पर रोक लगाई है,जीएसटी कमिश्नर के तौर डॉ अहमद इकबाल मुख्यमंत्री के सबसे ज्यादा भरोसेमंद अफ़सर के रूप में पहचाने जाते है।

वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने मुख्तार मोहसिन की सीईओ पद पर नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री धामी और अल्पसंख्यक मामलो के मंत्री चंदन राम दास का आभार जताया है और अभी तक सीईओ रहे डॉ अहमद इकबाल के कार्यकाल पर संतोष व्यक्त किया है,उनका मानना है कि डॉ इकबाल के कार्यकाल के दौरान विभाग का इकबाल काफ़ी बुलंद रहा है लेकिन अब सरकार ने जो जिम्मेदारी उन्हे दी है उसे आईपीएस मुख्तार मोहसिन के साथ ज़रूर पूरा करेंगे और भूमाफियाओं की क़मर तोड़ने से पीछे नहीं रहेंगे क्योंकि उनका प्रयास मुख्यमंत्री धामी के विज़न के अनुरूप वक्फ बोर्ड बनाना है।

इण्डस्ट्रीज़ को प्रशासन से मिलेगी हर संभव मदद : युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 5 जनवरी , जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने एक जनपद दो उत्पाद के अन्तर्गत जनपद में मेंथा ऑयल तथा मूंज घास उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी ने मेंथा ऑयल उत्पादन से जुड़े कारोबारियों से मेंथा उत्पादों की मार्केटिंग, मार्केट में आ आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। कारोबारियों ने बताया कि मार्केट में सिन्थेटिक मेंथा ऑयल सबसे बड़ी चुनौती है, जो कि केमिकल युक्त होने के कारण मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। जिस पर जिलाधिकारी ने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि सिन्थेटिक मेंथा ऑयल से मानव शरीर पड़ने वाले साइड इफैक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी मुहैया कराई जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में मेंथा उत्पादन बढ़ाने हेतु हर संभव मदद की जायेगी।

उन्होंने मेंथा ऑयल उत्पादन से जुड़ी कम्पनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि जो भी इण्डस्ट्रीज़ को प्रशासन से जो भी मदद चाहिए लिखित में दें, प्रशासन हर संभव मदद करेगा। जिलाधिकारी ने मेंथा सुखाने की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश परियोजना निदेशक डीआरडीए को दिये। जिलाधिकारी ने मेंथा की खेती करने वाले किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश मुख्य कृषि अधिकारी को दिये।

जिलाधिकारी ने मूंज घास पर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि मूंज घास उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाये तथा वन क्षेत्रों से मूंज घास काटने हेतु वन विभाग द्वारा सरलता से अनुमति देने की व्यवस्था की जाये। उन्होंने उत्पादों की आकृति, आकार, कलर एवं पेटर्न पर विशेष ध्यान देते हुए मार्केट डिमाण्ड के आधार पर उत्पाद तैयार कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने दीपावली एवं त्यौहारों के दौरान ड्राई फ्रूट पैकिंग हेतु मांग के अनुसार मूंज घास आधारित उत्पाद मिष्ठान भण्डारों को न मिलने के बारे में जानकारी देते हुए निर्देश दिये कि माह जून में मिष्ठान भण्डरों के साथ समन्वय स्थापित कर, डिमाण्ड पहले ही ले ली जाये ताकि डिमाण्ड के अनुसार सामान उपलब्ध कराया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने की हर संभव कोशिश की जायेगी। उन्होंने उत्पादन से लेकर बाजार तक पहुंचाने

में उत्पादकों, कारीगरों की स्किल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग, डिजाइन डेवलपमेंट, लाजिस्टिक्स आदि में सहायता कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। बैठक में परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, महाप्रबन्धक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी, जिला उद्यान अधिकारी भावना जोशी, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा सहित किसान व इण्डसट्रियलिस्ट आदि उपस्थित थे।

'ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025' के लेवल 2 की कार्यवाही की ओर बढ़ी हरिद्वार पुलिस

मेडिकल स्टोर में बेची जा रही नशीली दवाएं हैं अब हरिद्वार पुलिस के रडार पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 5 जनवरी , ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को लेकर दृढ़संकल्प हरिद्वार पुलिस ने लेवल 2 में कदम बढ़ाते हुए एसएसपी अजय सिंह के स्पष्ट दिशा निर्देश पर सिटी से लेकर देहात तक समूचे जनपद में संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स में छापेमारी की। मेडिकल स्टोर्स की आड़ में नशीले टेबलेट व इंजेक्शन की गैर-कानूनी बिक्री, बिना वैध लाइसेंस अथवा बी फार्मा डिग्रीधारक के अतिरिक्त अन्य द्वारा दवाई बेचने की शिकायत पर की गई ओचक छापेमारी की जद में 500 से अधिक मेडिकल स्टोर्स आए। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दुकानदार मेडिकल स्टोर खुला छोड़कर भागते हुए भी दिखे।

इस दौरान वैध लाइसेंस न मिलने अथवा बी फार्मा डिग्रीधारक के अतिरिक्त अन्य के दवाई बेचते हुए मिलने पर सम्बन्धित मेडिकल स्टोर्स की रिपोर्ट ड्रग इंस्पेक्टर को प्रेषित की जा रही है। कारण बताओ नोटिस जारी करने के पश्चात सही जवाब न मिलने पर ड्रग लाइसेंस अथॉरिटी गढ़वाल के माध्यम से सम्बन्धित मेडिकल

- एसएसपी के निर्देश पर समूचे जनपद में हरिद्वार पुलिस की ताबड़तोड छापेमारी
- जनपद हरिद्वार के 500 से अधिक संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स पर पुलिस की एक साथ छापेमारी, नियम विरुद्ध मेडिकल स्टोर्स पर जड़े ताले
- शहर व देहात क्षेत्र में संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स की रिपोर्ट कड़ी कार्रवाई हेतु प्रेषित
- कार्यवाही के भय से मेडिकल स्टोर छोड़, गली मौहल्ले में भागते दिखे संचालक

स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। सभी मेडिकल दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए जहां पर कैमरे नहीं लगे थे उनको स्पष्ट दिशा निर्देश देते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु कहा गया।हरिद्वार पुलिस के तीखे तेवर देखकर पूरे जनपद के संदिग्ध मेडिकल स्टोर पर खौफ साफ देखा गया। मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा कहा गया कि हम सभी नियम कानूनों का कायदे से पालन करेंगे।

भयमुक्त पौड़ी बनाने में एसएसपी श्वेता चौबे की धाकड़ पुलिस प्रतिबद्ध, कराई हिस्ट्रीशीटरों की परेड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 5 जनवरी , हिस्ट्रीशीटर अपने पुराने गुनाहों से तौबा करते हुए समाज की मुख्यधारा में एक सम्मानित जीवन जिए , इसके साथ ही साथ अगर आसपास वह अपने किसी तरह की आपराधिक गतिविधियों को देखते हैं तो बिना किसी लालच और दबाव के इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को तुरंत देखकर अपने सुधरे हुए जीवन का प्रमाण भी दे । यह सुझाव और हिदायत दी है सीनियर आईपीएस ऑफिसर और एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे ने , जो इन दिनों जनपद के हिस्ट्रीशीटरों को थानों में परेड कराते हुए उन्हें सुधरने का लगातार मौका दे रही है । मकसद है जनपद अपराध मुक्त हो सके और लोग भयमुक्त वातावरण में जिंदगी गुजार सकें। इसी कड़ी में जनपद के तमाम थानों में पुराने हिस्ट्रीशीटरों की जब परेड कराई गई तो पुलिस अफसरों ने इन हिस्ट्रीशीटर को बेहतर जीवन जीते हुए अपराध छोड़कर समाज की मुख्यधारा में अपना कर्तव्य निभाने की हिदायत और सलाह देते नजर आए । समाज के वरिष्ठ नागरिकों और बुद्धिजीवियों का कहना है कि एसपी श्वेता चौबे की यह कोशिश इन आपराधिक प्रवित्ति के लोगों का हृदय परिवर्तन करने में जरूर कामयाब होगी। क्योंकि बहुत से ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोग हैं जो समाज से जुड़ कर जीना चाहते हैं और इसमें पुलिस की ये सकारात्मक भूमिका बहुत कारगर साबित हो सकती है।

जानिए आईपीएस श्वेता चौबे की मिशन क्लीन पौड़ी

पुलिस पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने हेतु उनकी हिस्ट्रीशीट खोलती है , और निरन्तर उन पर निगरानी रखती है। साथ ही समय-समय पर उनको भौतिक रूप से सत्यापित करने के लिये उनकी परेड़ करायी जाती है, ताकि उनको *अपने आचरण में सुधार लाने तथा आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद पुलिस भयमुक्त एवं अपराध मुक्त समाज देने के लिये प्रतिबद्ध है। जनपद में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर

नकेल कसने, हिस्ट्रीशीटरों एवं उनके परिचितों/रिस्तेदारों एवं सम्पर्क में रहने वाले व्यक्तियों के बारे में पूर्ण जानकारी रखने, हिस्ट्रीशीटरों के आचरण/चाल-चलन एवं आपराधिक गतिविधियों/क्रियाकलापों के आधार पर उन्हें श्रेणीबद्ध करने हिस्ट्रीशीटरों की फाईलों की गहनता से अवलोकन करने, उनकी प्रत्येक गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने के उद्देश्य से जनपद के *हिस्ट्रीशीटरों की परेड़ कराने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में थाना कोटद्वार पर-13, पौड़ी- 2, देवप्रयाग एवं थाना सतपुली पर 01-01 (कुल-17) हिस्ट्रीशीटरों की विधि सम्मत व्यवस्था के अनुरूप परेड़ करायी गयी। परेड़ के दौरान सभी को अपने आचरण में सुधार लाने के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने एवं मेहनत मजदूरी कर शान्तिपूर्वक अपना जीवन यापन करने की हिदायत दी गयी साथ ही यह भी हिदायत दी कि अपने क्षेत्र के आस-पास यदि किसी प्रकार की अपराध/अपराधी की जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक घटनाओं में उनके संलिप्त पाये जाने पर कठोर वैधानिक कार्यवाही किये जाने की भी चेतावनी दी गयी।एसएसपी श्वेता चौबे ने बताया कि जिले में हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी करते हुए सख्त हिदायतें देते हुए इस तरह की परेड़ निरन्तर जारी रहेगी ।

जिलाधिकारी सोनिका ने जल जीवन मिशन की रफ्तार बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए

देहरादून 5 जनवरी जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक ऋषिपर्णा सभागार में आयोजित की गई। जिलाधिकारी द्वारा विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कृत कार्यवाही की जानकारी प्राप्त करते हुए प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जनपद में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आछादित विद्यालयों में एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों को आच्छादित किये जाने की धीमी प्रगति एवं संयुक्त निरीक्षण आख्या प्राप्त होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए किए गए कार्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा ग्राम पचांयतों में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों के संबंध में संबंधितों से प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कन्ट्रोल रूम बनाकर टेण्डर प्रक्रिया की स्थिति, आंगनबाड़ी एवं स्कूल की आछादित प्रगति की स्थिति, हर घर नल (जल सहित) के अन्तर्गत प्रतिदिन की प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक सप्ताह मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी देते हुए बताया गया कि जनपद में वर्ष 2022-23 में हर घर नल योजना के लक्ष्य के सापेक्ष 95.48 प्रतिशत प्राप्त किया है जिसमें 127731 घरों के सापेक्ष 121960 घरों को आछादित किया गया है। जिलाधिकारी ने शेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुए संबंधित ग्राम पचांयत प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाए। वर्ष 2022-23 जनपद में विद्यालयों को आछादित करने के लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति 35.86 प्रतिशत तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों का 37 प्रतिशत रही। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, एस.ई जल संस्थान नमित रमोला, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बढ़ाया जाये जन वितरण प्रणाली का दायरा

एक जनवरी 2023 से हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) कार्डधारकों के अधिकारों के बदलाव को लेकर बहुत भ्रम है. यह बदलाव दो कदमों में लाया जा रहा है. पहले कदम में मामूली दर लेने की जगह एनएफएसए का अनाज मुफ्त बांटने की बात है. दूसरा कदम प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाइ) की समाप्ति है. पहले कदम में कोई दम नहीं है. याद रखें, एनएफएसए कार्डधारकों को आम तौर पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रति व्यक्ति प्रतिमाह पांच किलोग्राम अनाज दिया जाता है. अभी तक दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल दिया जा रहा था. वर्ष 2023 में उन्हें यही अनाज मुफ्त में मिलेगा और प्रति व्यक्ति प्रतिमाह 10 से 15 रुपये की बचत होगी. इससे बहुत मदद नहीं मिलने वाली है, न ही इससे केंद्र सरकार का ज्यादा खर्च होने वाला है- शायद 15,000 करोड़ रुपये. हालांकि, राजनीतिक रूप से यह छोटा सा कदम सरकार के दृष्टिकोण से स्मार्ट है. यह दूसरे चरण की कड़वी गोली को मीठा कर देगा और मोदी सरकार को खाद्य सब्सिडी के लिए संपूर्ण क्रेडिट का दावा करने में भी मदद करेगा. लोग अपने मुफ्त राशन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को श्रेय देंगे, जबकि वास्तव में, वे सिर्फ एनएफएसए को लागू कर रहे हैं और अपनी ओर से एक छोटी सी सब्सिडी जोड़ रहे हैं. आर्थिक दृष्टि से दूसरा कदम ही मायने रखता है. अप्रैल, 2020 में शुरू की गयी पीएमजीकेएवाइ के तहत, सभी एनएफएसए कार्डधारकों को प्रति व्यक्ति प्रतिमाह पांच किलोग्राम अनाज मुफ्त में दिया जाता था. गरीब परिवारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक पूरक था तथा सरकार के लिए यह एक बड़ा वित्तीय बोझ था. दोनों अब खत्म हो जायेंगे. पीएमजीकेएवाइ के अल्प जीवन को अनाज खरीद और वितरण के रुझानों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए. एनएफएसए की वितरण आवश्यकता लगभग 600 लाख टन है, जिसमें से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए करीब 480 लाख टन और शेष विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी शामिल हैं. साल 2013 में एनएफएसए के लागू होने के बाद से खरीदारी का स्तर इससे काफी अधिक रहा है. यही कारण है कि दो साल पहले तक अनाज भंडार में बेतहाशा वृद्धि हो रही थी. पीएमजीकेएवाइ ने इस असंतुलन को उलट दिया. जन वितरण प्रणाली का उठाव मोटे तौर पर दोगुना हो गया, वितरण खरीद से अधिक होने लगा और स्टॉक तेजी से नीचे आ गया. पीएमजीकेएवाइ को जारी रखने से स्टॉक में निरंतर कमी होती. लेकिन किसी अन्य विकल्प के बिना पीएमजीकेएवाइ को अचानक बंद करना उचित नहीं है. गरीब परिवार अभी भी कोविड-19 संकट के परिणामों से जूझ रहे हैं. पीएमजीकेएवाइ इस कठिन समय में एक महत्वपूर्ण राहत था. यदि इसे बंद करना है, तो संबंधित बचत (प्रतिवर्ष लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये) को अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में खर्च किया जाना चाहिए. उदाहरण के लिए, बचत का उपयोग जन वितरण प्रणाली के दायरे को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है. याद रखें, 10 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को एनएफएसए में गलत तरीके से बाहर रखा गया है क्योंकि केंद्र सरकार खाद्यान्न आवंटन निर्धारित करने के लिए 2011 की आबादी के पुराने आंकड़ों का उपयोग कर रही है. आज 40 फीसदी से अधिक आबादी एनएफएसए के दायरे से बाहर है, जिसमें कई गरीब परिवार भी हैं. पांच किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिमाह की मानक एनएफएसए दरों पर 10 करोड़ व्यक्तियों को जोड़ने के लिए प्रतिवर्ष केवल 60 लाख टन अनाज की आवश्यकता होगी. यह पूरी तरह से संभव है. दरअसल, पीएमजीकेएवाइ के बंद होने से अनाज भंडार फिर से बढ़ने वाले हैं. अन्य सामाजिक सुरक्षा पहल भी संभव थी. उदाहरण के लिए, जैसा कि 51 अर्थशास्त्रियों ने हाल में वित्तमंत्री को लिखे पत्र में तर्क दिया, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम पर ज्यादा खर्च करना जरूरी है. मध्याह्न भोजन और समेकित बाल विकास योजना के लिए भी पिछले आठ वर्षों में राशि की भयंकर कमी रही है. मातृत्व लाभ एनएफएसए के अनुसार लागू करना भी बाकी है और 6,000 रुपये प्रति बच्चे के पुराने मानदंड से ऊपर लाभ बढ़ाना जरूरी है. आगामी बजट पीएमजीकेएवाइ की जगह इन उपायों को लागू करने के लिए एक अच्छा अवसर है. अधिक संभावना यह है कि सरकार यह कहेगी कि संकट खत्म हो गया है और राहत के उपाय अब अनावश्यक हैं. सामाजिक सुरक्षा का ढांचा समझना जरूरी है, जो मोदी सरकार द्वारा ब्रेक लगाने से पहले आकार लेना शुरू कर दिया था. बहुत कम विकासशील देशों के पास खाद्य सब्सिडी, वृद्धावस्था पेंशन, मातृत्व लाभ, मध्याह्न भोजन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार गारंटी के लगभग सार्वभौमिक अधिकार हैं (लाभ प्रत्येक मामले में कम हैं, लेकिन उन्हें बढ़ाया जा सकता है).

भव्य समारोह में भाजपा महानगर के पदाधिकारियों ने सम्हाला दायित्व, सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल की टीम तैयार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 जनवरी , भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय में युवा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल अध्यक्षता मे नव नियुक्त प्रदेश एवं महानगर पदाधिकारी एवं मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारीयों का भव्य सम्मान समारोह किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महानगर प्रभारी कुलदीप कुमार प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान व देहरादून महानगर के प्रथम नागरिक मेयर सुनील उनियाल गामा जी, विधायक सविता कपूर, खजान दाज, पूर्व महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट, की गरिमामई उपस्थिति में भव्य स्वागत कार्यक्रम संम्पन्न हुआ।

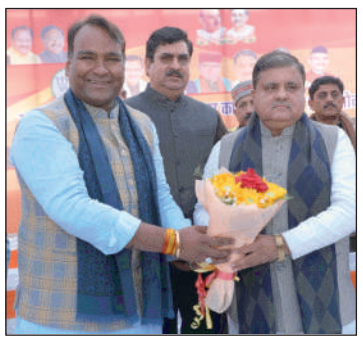

जिसमें महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में आये हुए सभी अतिथियों का हृदय के अन्तःकरण से आभार व्यक्त किया, एवं सभी महानगर के नव नियुक्त पदाधिकारीयों का आवाहन करते हुए बोला कि देहरादून महानगर उत्तराखण्ड राज्य का हृदय स्थल है क्योकि आप सभी के द्वारा महानगर से किये गये पार्टी के सभी सफल कार्यक्रमों से प्रदेश की दशा और दिशा पूरे प्रदेश में प्रचारित व प्रसारित होती है इसलिए आप सभी महानगर के पदाधिकारीयों नें पूर्व में भी अपना सर्वोच्च कार्यक्रम प्रदान किया है और आशा है महानगर का कार्यकर्ता तब तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक नगर निगम व लोकसभा के चुनाव को सपूर्ण जीत ही दिलाकर चैन की सांस लेंगे। साथ ही महानगर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष राजेन्द्र ढिल्लों जी ने मा. प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने तलवार भेंट कर समानित किया व मंच संचालन महानगर उपाध्यक्ष श्री रतन सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने, नवनियुक्त प्रदेश एवं महानगर के पदाधिकारीयों को बधाई एवं शुमकामनाऐं देते हुए पार्टी की रिति-निति के अनुसार मार्गदर्शन किया, और पूर्व की महानगर की कार्यकारणी की भूरी-भूरी प्रसन्संशा करते हुए कहा की उत्तराखण्ड में पुनःसरकार बनाने का जो इतिहास रचा है उसके लिए मैं देहरादून महानगर के माध्यम से समपूर्ण उत्तराखण्ड के पूर्व पदाधिकरीयों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। पूर्व के पार्टी के कार्यकर्ताओं से समय-समय पर हम सबको मार्गदर्शन ले करके आगे बढना होगा, आगामी वर्षों में पार्टी के कार्यकर्ताओं को बडी चुनोंतियों को पार करना होगा क्योंकि निगम के चुनाव व लोकसभा के चुनाव आनें वाले हैं इसमें पार्टी का सदैव की तरह इस बार भी आप सब की मेहनत एवं निष्ठा से किया गया कार्य प्रदेश में पुनः जीत का परचंम लहराएगा ऐसा मेरा आपसे सभी देवतुल्य कार्यकताओं से अपेक्षा ही नहीं बल्की पूर्ण रूप से विश्वास है।

इस सम्मान समारोह कार्यक्रम के अवसर पर महानगर देहरादून के प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार नें अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की आप सभी योग्य एवं कुशल कार्यकर्ता है आगामी आनें वाले 2 माह के भीतर पार्टी अवश्य काम देगी कोई भी कार्यकर्ता बिना पद के नहीं रहेगा सबनें बडी निष्ठा व लगन के साथ कार्य करना है।

इसी मौके पर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा सांसद रमेश पोखरियाल निशंक नें नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को शुभकामनाऐं देते हुए कहा की देहरादून महानगर प्रदेश की राजधानी है यहां यदि एक पत्ता भी हिलता है वह पूरे प्रदेश को प्रभावित करता है मुझे भरोसा है कि ये नवनियुक्त टीम इतिहास रचेगी।

महानगर के नव नियुक्त पदाधिकारी महानगर उपाध्यक्ष राजेन्द्र ढिल्लों, रतन सिंह चौहान, सुनील शर्मा, संतोष सेमवाल, डॉ बबीता सहोत्रा, महानगर महामंत्री बिजेन्द्र थपलियाल, सुरेन्द्र राणा, महानगर मंत्री राजेश काम्बोज, देवेन्द्र पाल मोन्टी, श्री संदीप मुखर्जी, गोविन्द मोहन, विमल उनियाल, संकेत नौटियाल, महानगर कोषाध्यक्ष मोहित शर्मा, महानगर कार्यालय मंत्री विनोद शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी उमा नरेश तिवारी, एवं राजेश बडोनी, अक्षत जैन, आशीष शर्मा, श्याम सुन्दर चौहान, महेश गुप्ता साथ ही, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा जोगेन्द्र पुण्डीर, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल जी, श्रीमती मधू भट्ट, हन्नी पाठक, सुनीता विद्यार्थी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी माणिक निधि शर्मा, संजीव वर्मा एवं चौधरी अजीत सिंह, डॉ आदित्य कुमार, श्रीमती कमली भट्ट, वन्दना ठाकुर, श्री अर्चित डाबर, कुमारी शाक्षी शंकर, देवेन्द्र बिष्ट, शुभम सिमल्टी, विपुल मैन्दोली, विमल चौधरी, अंशुल चावला, नाजीम राठी, समीना सिद्धकी, अमीर कुरैशी, गुरप्रीत सिंह छाबडा, कृष्णा राठौर, विकास शर्मा, राकेश काम्बोज, अशोक विश्वकर्मा, अनिल बेदी, रविन्द्र वाल्मिकी, आशीष शर्मा, श्याम सुन्दर चौहान, कुलदीप पंत, अनुराग भाटिया, सपटटर सिंह पाल, पवन माटा, पवन त्रिपाठी, वैभव अग्रवाल, गोपाल पुरी, पूनम शर्मा, मोतिराम जी, मनीष पाल, सुनील धिडियाल, तरूण जैन, संजय खण्डूरी, अनिल रस्तोगी, अवधेश तिवारी, हिमांशु, विपिन खण्डूरी, अरूण खरबंदा, विमला गौड, मनोज जाटव, हरीश डोरा, आशीष नागरथ, हिमांशु भण्डारी, सुभाष बालियान, शाकुल उनियाल, अजय शर्मा, श्रीमती अंजु बिष्ट, मनचनबाला, विनोद महर अरूण खरबंदा, अजय जग्गी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मार्केट में जिस वैरायटी की अधिक डिमांड, उसे किया जाएगा प्रमोट : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 जनवरी , प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने राजकीय उद्यान सर्किट हाउस में प्रदेश के सेब उत्पादक प्रगतिशील कृषकों के साथ संवाद एवं विचार गोष्ठी को सम्बोधित किया। इस विचार गोष्ठी में प्रदेश के अनेक जनपदों के सेब काश्तकारों और बागवानों ने हिस्सा लिया। साथ ही कई किसान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी जुड़े। इस दौरान प्रदेश के कई हिस्सों से पहुंचे सेब बागवानी ने अपने सुझाव दिए। विचार गोष्टी में प्लांटिंग मैटेरियल सेब की नई वैरायटी के अध्ययन, किसानों को प्रशिक्षण नर्सरियों के सत्यापन, मार्केटिंग सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि एप्पल के प्लांटिंग सीजन को देखते हुए आज पूरे प्रदेश के करीब 100 से अधिक उन्नत सेब काश्तकार किसानों के साथ संवाद किया गया और उनके सुझाव लिए गए। मंत्री जोशी ने कहा सेब काश्तकारों के सुझाव के अनुरूप जो नई नीति बनाई जाएगी, उसमे सभी सेब बागवानों के सुझाव भी सम्मिलित किए जाएंगे। मंत्री ने कहा हम कितनी भी नई वैरायटी लाए अगर किसानों को प्रशिक्षण नहीं देंगे तो किसान उसका लाभ नहीं उठा पाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को सुनिश्चित करते भरसार यूनिवर्सिटी के कुलपति को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सौंपी। मंत्री ने कहा अगली बार से ब्लॉक स्तर तक से बागवानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मंत्री ने कहा हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि किसानों की जो पैदावार है, उसकी मार्केटिंग की जिम्मेदारी सरकार की होगी। मंत्री ने उद्यान निदेशक को विभाग के फील्ड में रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा मंत्री जोशी ने उद्यान निदेशक को 10 दिन फील्ड में रहने के भी निर्देश दिए।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

उत्तराखंड के हसरत खान बने कराते एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

योगेश कालरा,महासचिव और एल नागेश्वर राव कोषाध्यक्ष चुने गए

डॉ.अरविंद सिंह कांग के देखरेख में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में संपन्न हुआ चुनाव

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,4 जनवरी। उत्तराखंड के नैनीताल के रहने वाले हसरत खान कराते एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नए अध्यक्ष चुने गए है,चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में 29 दिसंबर को सम्पन हुए प्रतिष्ठित चुनाव में हसरत खान को निर्विरोध रूप से अध्यक्ष चुना गया है,हसरत खान कराते के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी होने के साथ साथ एशियन रेफरी भी है,पूरे देश से आए कराटे प्रतिनिधियों ने हसरत खान के समर्पण और प्रयासों को काफी सराहा और निर्विरोध रूप से उनका चुनाव किया।

हसरत खान का काय का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना उत्तराखंड और उत्तराखंड के कराटे खिलाड़ियों के लिए गर्व की बात है,क्योंकि हसरत खान ने अपना पूरा जीवन एक कराटे खिलाड़ी के रूप में व्यतीत किया है।

हसरत खान ने सभी को धन्यवाद कहते हुए अपनी भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए इच्छा ज़ाहिर की है कि वो चाहते है उत्तराखंड को कराटे के क्षेत्र में स्थापित करने का पूरा प्रयास करेंगे और मुख्यमंत्री धामी जैसे युवा नेतृत्व से मार्गदर्शन लेकर कोई भव्य आयोजन ज़रूर करेंगे।हसरत खान के अध्यक्ष चुने जाने पर उत्तराखंड कराटे एसोसिएशन की महासचिव गजाला खान सहित सभी पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है।